Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-111

## M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र-1 : सामान्यस्तर

### [ आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास तथा कहानी) ]

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें :—** (1) कालजयी हिंदी कहानियाँ – सं. रेखा सेठी, रेखा उप्रेती ।

(2) विज़न – मैत्रेयी पुष्पा ।

**सूचनाएँ :—** (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "आज की हिंदी कहानी कथ्य और शिल्प के नए प्रतिमान रचती हुई आगे बढ़ रही है ।" पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

"'अकेली' कहानी मानवीय संवेदना की त्रासदी का करुण चित्र है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

2. "'विज़न' उपन्यास स्त्री-शक्ति के नए आयाम खोजने और खोलने का एक साहसिक प्रयोग है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

**अथवा**

'विज़न' उपन्यास की कथावस्तु लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

3. 'अपराध' कहानी का कथ्य स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) डॉ. आर. पी. शरण,

(ख) लाल गुलाब और फौजी भाई,

(ग) 'विज़न' की भाषा-शैली ।

4. 'विज़न' उपन्यास की डॉ. नेहा का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) 'आदमी का बच्चा' कहानी की क्या समस्या है ?

(छ) गजाधरबाबू का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ज) 'चीफ की दावत' कहानी के मध्य वर्ग की मानसिकता को स्पष्ट कीजिए ।

(झ) 'कफन' कहानी का शीर्षक स्पष्ट कीजिए ।

(त) 'दोपहर का भोजन' कहानी के संवादों की क्या विशेषताएँ हैं ?

(थ) 'हीली बोन की बत्तखें' कहानी में चित्रित नारी पीड़ा का वर्णन कीजिए ।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) "अरे यार, बजट बिगड़ जाएगा । हृदय में जितनी दया है, पास में उतना पैसा तो नहीं ।"

**अथवा**

"माँ सारी दुनिया आज जेट रफ्तार से चल रही है और तुम अभी फैजाबाद पैसेंजर ही बनी हुई हो ।"

(ध) सिंहासन कौन माँग रहा है, पाँव रखने भर की जगह चाहिए कि वह खड़ी हो सके । मरीज की ऑपरेशन टेबल की साइड में नहीं, उसके पहले सिरे पर ।

**अथवा**

सुना गया है, अक्सर बड़े-बड़े पोत मगरमच्छों ने नहीं मछलियों के दल ने भ्रमित किए हैं । कोई मरीज आएगा जो तुम्हें औकात दिखा देगा । मुझे उस दिन का इंतजार है ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-112

## M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### विशेषस्तर : प्रश्नपत्र-2

### (प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें :—** (*i*) विद्यापति : आलोचना और संग्रह ।
संपा. : डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित ।
(*ii*) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी ।
संपा. : डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल ।

**सूचनाएँ :—** (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए अंक समान हैं ।

1. 'विद्यापति की पदावली में संयोग शृंगार के सभी पक्षों का चित्रण हुआ है ।' सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

**अथवा**

विद्यापति की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए ।

2. 'पद्मावत में लौकिक प्रेम के द्वारा अलौकिक प्रेम की व्यंजना हुई है ।' स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

महाकाव्य के तत्वों के आधार पर 'पद्मावत' का मूल्यांकन कीजिए ।

P.T.O.

3. "सौंदर्य चित्रण में विद्यापति सिद्धहस्त कवि हैं ।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नागमती का चरित्र-चित्रण

(ख) 'पद्मावत' का प्रकृति-चित्रण

(ग) 'पद्मावत' की भाषा ।

4. जायसी के सौंदर्य चित्रण को स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) 'विद्यापति भक्त कवि हैं या श्रृंगारी कवि' ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) विद्यापति के काव्य की गेयता पर प्रकाश डालिए ।

(ग) विद्यापति की भाषा का विवेचन कीजिए ।

(घ) विद्यापति के कृष्ण का चित्रण कीजिए ।

(च) विद्यापति के काव्य में व्यक्त भक्ति-भावना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

(छ) विद्यापति के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(1) "कत न बेदन मोहि देसि मदना ।
हर नहिं बला मोहि जुबति जना ॥
बिभुति-भूषन नहिं चाननक रेनू ।
बघछाल नहिं मोरा नेतक बसनू ।
नहिं मोरा जटाभार चिकुरक बेनी ।
सुरसरि नहिं मोरा कुसुमक स्रेनी ॥

चाँद के बिन्दु मोरा नहिं इन्दु छोटा ।
ललाट पावक नहिं सिंदुरक फोटा ॥
नहिं मोरा कालकूट मृगदम चारु ।
फनपति नहिं मोरा मुकता-हारु ॥
भनइ विद्यापति सुन देव कामा ।
एक पए दूखन नाम मोर बामा ॥"

**अथवा**

"लोचन थाल फेधाएल हरि नहिं आएल रे ।
सिव-सिव जिबओ न जाए आस अरुझाएल रे ।
मान करे तहाँ उड़ि जाइअ जहाँ हरि पाइअ रे ।
प्रेम-परसमनि जानि आनि उर लाइअ रे ॥
सपनहु संगम पाओल रंग बढ़ाओल रे ।
से मोरा बिघटाओल निंदओ हेराएल रे ॥
भनइ विद्यापति गाओल धनि धइरज धर रे ।
अचिरे मिलत मोहि बालम पुरह मनोरथ रे ॥"

(2) "सरवर तीर पदुमिनीं आई । खौपा छोरि केस मोकराई ।1।
ससि मुख अंग मलैगिरि रानी । नागन्ह झाँपि लीन्ह अरघानी ।2।
ओनए मेघ परी जग छाहाँ । ससि की सरन लीन्ह जनु राहाँ ।3।
छपि गै दिनहि भानु कै दसा । लै निसि नखत चाँद परगसा ।4।
भूलि चकोर दिरिह तहँ लावा । मेघ घटा महँ चाँद दिखावा ।5।
दसन दामिनी कोकिल भाषीं । भौंहें धनुक गगन लै राखीं ।6।
नैन खँजन हुई केलि करेहीं । कुच नारँग मधुकर रस लेहीं ।7।
सरवर रूप बिमोहा हिएँ हिलोर करेइ ।
पाय छुवै मकु पावौं तेहि मिसु लहरैं देइ ॥"

**अथवा**

"चढ़ा असाढ़ गँगन घन गाजा । साजा बिरह दुंद दल बाजा ।1।
धूम स्याम धौरे घन धाए । सेत धुजा बगु पाँति देखाए ।2।
खरग बीज चमकै चहुँ ओरा । बुँद बान बरिसै घन घोरा ।3।
अद्रा लाग बीज भुइँ लेई । मोहि पिय बिनु को आदर देई ।4।
ओनै घटा आई चहुँ फेरी । कंत उबारु मदन हौं घेरी ।5।
दादुर मोर कोकिला पीऊ । करहिं बेझ घट रहै न जीऊ ।6।
पुख नछत्र सिर ऊपर आवा । हौं बिनु नाँह मँदिर को छावा ।7।
जिन्ह घर कंता ते सुखी तिन्ह गारौ तिन्ह गर्ब ।
कंत पियारा बाहिरें हम सुख भूला सर्ब ॥"

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-113

## M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र-3 : विशेषस्तर

### (भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :—** (*i*) किन्ही **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. रस का स्वरूप स्पष्ट करते हुए रस के अवयवों का परिचय दीजिए ।

2. भरतमुनि के रस-सूत्र को स्पष्ट करते हुए रस निष्पत्तिविषयक भट्टलोलट तथा शंकुक के मतों का विवेचन कीजिए ।

3. अलंकार के संदर्भ में विभिन्न आचार्यों के मतों का विवेचन कीजिए ।

4. रीति के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए वैदर्भी एवं गौड़ी रीति का परिचय दीजिए ।

5. ध्वनि की परिभाषा देते हएु ध्वनि सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

6. वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप समझाते हुए वक्रोक्ति का महत्व विशद कीजिए ।

P.T.O.

7. आचार्य क्षेमेंद्र के औचित्य विचार पर प्रकाश डालिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) साधारणीकरण का स्वरूप

(ख) ध्वनि और शब्दशक्ति

(ग) रीति के विविध पर्याय

(घ) काव्य में अलंकार का स्थान ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-114

## M. A. (First Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र-4 : विशेषस्तर—वैकल्पिक

### (2008 PATTERN)

**महत्त्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

**(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर**

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-ग्रन्थ :—कबीर ग्रंथावली—संपादक : श्यामसुंदर दास**

**सूचनाएँ :—**(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** संत काव्य परंपरा में कबीर का योगदान स्पष्ट कीजिए।

**2.** कबीर की विरह-भावना को स्पष्ट कीजिए।

**3.** कबीर के धार्मिक विचारों का विवेचन कीजिए।

**4.** कबीर की उलटबाँसियों को स्पष्ट कीजिए।

**5.** 'कबीर के राम' का वर्णन कीजिए।

**6.** कबीर की विद्रोह-भावना पर प्रकाश डालिए।

**7.** कबीर की दार्शनिकता का परिचय दीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) सतगुरू हम सूँ रीझि करि, एक कह्या प्रसंग।
बरस्या बादल प्रेम का भीजि गया सब अंग॥
कबीर बादल प्रेम का, हम परि बरष्या आइ।
अंतरि भीगी आत्माँ हरी भई बनराइ॥

P.T.O.

(आ) बाँसुरि सुख नाँ रैणि सुख, ना सुख सुपिनै माँहि।
कबीर बिछुट्या राम सूँ, ना सुख धूप न छाँह॥
बिरहिनि ऊभी पंथ सिरि, पंथी बूझै धाइ।
एक सबद कहि पीव का, कब रे मिलैगे आइ॥

(इ) हम न मरै मरिहै सन्सारा, हँम कूँ मिल्या जियावनहारा॥
अब न मरौं मरनै मन माँना, ते मूए जिनि राम न जाँना।
साकत मरै संत जन जीवै, भरि भरि राम रसाइन पीवै॥
हरि मरिहैं तौ हमहूँ मरिहैं, हरि न मरै हँम काहे कूँ मरिहैं।
कहै कबीर मन मनहि मिलावा, अमर भये सुख सागर पावा॥

## (आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्यपुस्तकें :—** (*i*) श्रीरामचरितमानस : उत्तरकांड।

(*ii*) विनयपत्रिका—संपा. : वियोगी हरि।

**सूचनाएँ :—**(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** तुलसीदास के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालते हुए उनके कृतित्व का परिचय दीजिए।

**2.** तुलसीदास की दार्शनिक मान्यताओं का विवेचन कीजिए।

**3.** तुलसीदास के लोकनायकत्व पर प्रकाश डालिए।

**4.** ''तुलसीदास एक सफल एवं कुशल प्रबंधकार थे।''—रामचरितमानस के आधार पर विवेचन कीजिए।

**5.** विनयपत्रिका का वर्ण्य-विषय स्पष्ट करते हुए उसके प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

**6.** '' 'विनयपत्रिका' में भक्त हृदय के भावपूर्ण उद्‌गार मिलते हैं।'' विवेचन कीजिए।

**7.** गीतिकाव्य की दृष्टि से विनयपत्रिका का मूल्यांकन कीजिए।

**8.** निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) तुम्हरी कृपा कृपायतन, अब कृतकृत्य न मोह।
जानेउँ रामप्रताप प्रभु चिदानंद संदोह॥
नाथ तवानन ससि श्रवत कथा सुधा रुघबीर।
श्रवनपुटन्हि मन पान करि नहिं अघात मति धीर॥

**अथवा**

रामराज नभगेस सुनु सचराचर जग माहिं।
काल कर्म सुभाव गुन कृत दुख काहुहि नाहिं॥
विधु महि पूर मयूषन्हि रवि तप जेतनहि काज।
माँगे बारिद देहिं जल रामचंद्र के राज॥

(ख) गाइये गनपति जगबन्दन। संकर-सुवन, भवानी-नंदन।

सिद्धि-सदन, गजबदन, विनायक। कृपा-सिंधु, सुंदर, सबलायक।

मोदक-प्रिय, मुद-मंगल-दाता। विद्या-वारिधि, बुद्धि-विधाता।

माँगत तुलसीदास कर जोरे। बसहिं रामसिय मानस मोरे॥

**अथवा**

ऐसी मूढ़ता या मन की।

परिहरि राम-भगति-सुरसरिता आस करत ओसकन की॥

धूम-समूह निरखि चातक ज्यों, तृषित जानि मति घन की।

नहिं तहँ सीतलता न बारि, पुनि हानि होती लोचन की॥

ज्यों गच-काँच विलोकि सेन जड़ छाँह आपने तन की।

टूटत अति आतुर अहार-बस, छति बिसारि आनन की॥

कहँलौं कहौं कुचाल कृपानिधि, जानत हौ गति जन की।

तुलसीदास प्रभु हरहु दुसह दुख, करहु लाज निज पन की॥

## (इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्यपुस्तकें :—** (*i*) आषाढ़ का एक दिन

(*ii*) लहरों के राजहंस

(*iii*) आधे-अधूरे

**सूचनाएँ :—**(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

**2.** मोहन राकेश के कृतित्व का संक्षेप में परिचय दीजिए।

**3.** हिंदी नाट्य क्षेत्र में मोहन राकेश के योगदान का परिचय दीजिए।

**4.** नाटक के तत्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' का विवेचन कीजिए।

**5.** 'लहरों के राजहंस' नाटक की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए।

**6.** चरित्रांकन की दृष्टि से 'आधे-अधूरे' का मूल्यांकन कीजिए।

**7.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के तत्व

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' का कथ्य

(ग) 'लहरों के राजहंस' की मंचीयता

(घ) 'आधे-अधूरे' शीर्षक का औचित्य।

**8.** निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) ''मैं अनुभव करता हूँ कि यह ग्राम-प्रांतर मेरी वास्तविक भूमि है। मैं कई सूत्रों से इस भूमि से जुड़ा हूँ। उन सूत्रों में तुम हो, ये आकाश और ये मेघ हैं, यहाँ की हरियाली है, हरिणों के बच्चे हैं, पशुपाल हैं।

**अथवा**

''जानते हो मैंने अपना नाम खोकर एक विशेषण उपार्जित किया है और अब मैं अपनी दृष्टि में नाम नहीं, केवल विशेषण हूँ।''

(छ) ''इसलिए कि थककर आया हूँ। दिन-भर एक मृग का पीछा किया परंतु वह हाथ नहीं आया। जाने कैसा मायामृग था वह।''

**अथवा**

''परंतु राजहंस आहत थे .....कम से कम एक उनमें अवश्य आहत था। क्या उनके पंखों में इतनी शक्ति रही होगी कि वे अपनी इच्छा से उड़कर कहीं चले जाते ?''

(ज) वह जितने विश्वास के साथ यह बात कहता है, उससे.....उससे मुझे अपने से एक अज़ीब सी चिढ़ होने लगती है। मन करता है.....मन करता है.....आसपास की हर चीज़ को तोड़-फोड़ डालूँ। कुछ ऐसा कर डालूँ जिससे.....''

**अथवा**

''मैं इस घर में एक रबड़-स्टैंप भी नहीं सिर्फ एक रबड़ का टुकड़ा हूँ..... बार-बार घिसा जाने वाला रबड़ का टुकड़ा।''

## (ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्यपुस्तकें :—** (*i*) हरी घास पर क्षण भर

(*ii*) बावरा अहेरी

(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

**सूचनाएँ :—**(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** अज्ञेय के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके काव्य-कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

**2.** नई कविता के विकास में अज्ञेय के योगदान का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

**3.** अज्ञेय के काव्य में व्यक्त प्रेम-भाव को स्पष्ट कीजिए।

**4.** पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

**5.** 'हरी घास पर क्षण भर' की पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय के काव्य-सौंदर्य का विवेचन कीजिए।

**6.** 'बावरा अहेरी' की पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय के कला-पक्ष का विवेचन कीजिए।

**7.** 'कितनी नावों में कितनी बार' की पठित कविताओं के संदर्भ में अज्ञेय की जीवन-दृष्टि का विवेचन कीजिए।

**8.** निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) अगर मैं तुमको ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्हाई कुई,
टटकी कली चंपे की वगैरह तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है।

(ख) डरो मत, शोषक भैया
मेरा रक्त ताज़ा है
मेरी लहर भी ताजा है और शक्तिशाली है।
ताज़ा, जैसे भट्ठी से ढलते गले इस्पात की धार
शक्तिशाली जैसे तिसूल :
और पानीदार
पी लो, शोषक-भैया
डरो मत :

(ग) ये स्मारक—नये पुराने ढूह—नहीं
वह मिट्टी ही है पूज्य :
प्यार की मिट्टी
जिससे सरजन होता है
मूल्यों का
पीढ़ी-दर-पीढ़ी!

(घ) मन बहुत सोचता है कि उदास न हो
पर उदासी के बिना रहा कैसे जाए ?
शहर के दूर के तनाव-दबाव कोई सह भी ले,
पर यह अपने ही रचे एकांत का दबाव
सहा कैसे जाए ?

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-211

## M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

### हिंदी

### प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

### (आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें :** (*i*) कोर्ट मार्शल : स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध : संपादक मुकुंद द्विवेदी.

(*iii*) यात्रा साहित्य : संपादक डॉ. तुकाराम पाटील डॉ. नीला बोर्वणकर.

**सूचनाएँ :—**(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'वे सामंती प्रवृत्तियाँ, सोचने का सामंती तरीका तथा फ्यूडल टैंडेंसीज, जिनसे हमें अभी तक आज़ादी नहीं मिली'— 'कोर्ट मार्शल' नाटक के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

बिकाश राय का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

2. पठित निबंधों के आधार पर डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदीजी के व्यक्तित्व के पहलुओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

**अथवा**

"'हिमालय' निबंध में भारतीय इतिहास, धर्म, संस्कृति का समन्वय हुआ है"– इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

3. 'स्वातंत्र्योत्तर काल में प्रकाशित हिंदी यात्रा-साहित्य मात्रा में विपुल तथा गुणात्मक दृष्टि से परिपूर्ण रहा है'– इस कथन का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

**अथवा**

"'यात्रा का रोमांस' में लेखक ने अपने रोमांचित अनुभवों के साथ यात्रा का सैद्धांतिक विवेचन भी किया है"– इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रामचंदर का चरित्र-चित्रण

(ख) 'कोर्ट मार्शल' नाटक की रंगमंचीयता

(ग) 'ठाकुर जी की बटोर' में अंकित समस्या

(घ) 'अशोक के फूल' निबंध का व्यंग्य

(च) 'तिब्बत की सीमा पर' में चित्रित जनजीवन

(छ) 'टॉल्सटॉय के तपोवन में' में लेखक के अनुभव ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) "यह आत्मा का अहेरी क्या होता है ? कानून की लड़ाई में कहाँ से आ गई आत्मा ?"

(झ) "अंधकार के सैकड़ों परत हैं । उससे जूझना ही मनुष्य का मनुष्यत्व है । जूझने का संकल्प ही महादेवता है । उसी को प्रत्यक्ष करने की क्रिया को लक्ष्मी की पूजा कहते हैं ।"

(त) "ज्यों-ज्यों ऊँचे चढ़िए, भेदभाव मिटते जाते हैं । सीमाएँ नष्ट होती जाती हैं, एकरूपता बढ़ती जाती है ।"

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-212

## M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र-6 : विशेष स्तर

### मध्ययुगीन हिंदी काव्य

### (सूरदास, बिहारी, घनानंद)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें :—** (*i*) भ्रमरगीत सार : सूरदास

संपा. : आ. रामचंद्र शुक्ल ।

(*ii*) रीति काव्यधारा : संपा. — डॉ. रामचंद्र तिवारी

डॉ. रामफेर त्रिपाठी ।

**सूचना :—** (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. 'भ्रमरगीत' की दार्शनिक पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए ।

**अथवा**

कलापक्ष की दृष्टि से सूर के 'भ्रमरगीत' का विवेचन कीजिए ।

2. बिहारी के संयोग-शृंगार का विवेचन कीजिए ।

**अथवा**

बिहारी की भाषा-शैली का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

P.T.O.

3. स्वच्छंदतावादी कवि के रूप में घनानंद की उपलब्धियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

घनानंद के काव्य-शिल्प पर प्रकाश डालिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'भ्रमरगीत' का उपालंभ

(ख) 'भ्रमरगीत' में व्यंजना-प्रयोग

(ग) सतसई परंपरा और बिहारी

(घ) बिहारी का शृंगारेतर काव्य

(च) घनानंद के काव्य का संयोग पक्ष

(छ) घनानंद का सौंदर्य-चित्रण ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) "प्रीति करि दीन्हीं गरे छुरी ।
जैसे बधिक चुगाय कपटकन पाछे करत बुरी ॥
मुरली मधुर चेंप कर काँपो मोरचद्र ठटवारी ।
बंक बिलोकनि लूक लागि बस सकी न तनहि सम्हारी ॥
तलफत छाँडि चले मधुबन को फिरि कै लई न सार ।
सूरदास वा कलप-तरोवर फेरि न बैठी डार ॥"

(ख) "नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकासु इहि काल ।
अली कली ही सौं बँध्यौं, आगैं कौन हवाल ।
स्वारथु सुकृतु न, श्रमु बृथा, देखि बिहंग विचारि ।
बाज पराएँ पानि परि, तूँ पच्छीनु न मारि ॥"

(ग) "अंतर हौ किधौं अंत रहौ, दृग फारि फिरौं कि अभागिनि भीरौं ।
आगि जरौं अकि पानी परौं, अब कैसी करौं हिय का बिधि धीरौं ॥
जौ घनआनँद ऐसी रुची, तौ कहा बस है अहो प्राननि पीरौं ।
पाऊँ कहाँ हरि आय तुम्हैं, धरनी मैं धँसौं कि अकासहिं चीरौं ॥"

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-213

## M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र 7 : विशेषस्तर

### (पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :—**(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** काव्य संबंधी प्लेटो के विचारों को स्पष्ट करते हुए उनके द्वारा प्रतिपादित अनुकरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

**2.** विरेचन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विभिन्न व्याख्याओं को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

**3.** टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धांत को विस्तार से समझाइए।

**4.** क्रोचे के अभिव्यंजनावाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

**5.** प्रतीकवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसका महत्व विशद कीजिए।

**6.** आई.ए. रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

**7.** आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए किसी **एक** आलोचना प्रणाली का विवेचन कीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) त्रासदी

(ख) उदात्त के अंतरंग तत्व

(ग) संरचनावाद

(घ) बिंब का वर्गीकरण।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-214

## M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

### (विशेष विधा तथा अन्य)

### (2008 PATTERN)

**महत्त्वपूर्ण सूचना :**—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

**(क) हिंदी उपन्यास**

**(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच**

**(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी**

**(घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य**

### (क) हिंदी उपन्यास

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें :**

(*i*) गोदान—प्रेमचंद।

(*ii*) मैला आँचल—फणीश्वरनाथ 'रेणु'।

(*iii*) राग-दरबारी—श्रीलाल शुक्ल।

(*iv*) एक पत्नी के नोट्स—ममता कालिया।

**सूचनाएँ :**

(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** उपन्यास का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उपन्यास और कहानी की तुलना कीजिए।

**2.** हिंदी उपन्यास साहित्य के विकास-क्रम का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

**3.** हिंदी के आँचलिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

**4.** 'गोदान' में कृषक संस्कृति के साथ ग्रामीण जीवन के अनेक पहलुओं को अंकित किया गया है। विवेचन कीजिए।

**5.** ''मैला आँचल' में आँचलिक जीवन का यथार्थ चित्रण मिलता है।'' स्पष्ट कीजिए।

**6.** उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'राग-दरबारी' का मूल्यांकन कीजिए।

**7.** ''आधुनिक नारी की पीड़ा की अभिव्यक्ति 'एक पत्नी के नोट्स' में हुई है।'' विवेचन कीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उपन्यास की वर्णनात्मक शैली

(ख) 'गोदान' का होरी

(ग) 'राग-दरबारी' का राजनीतिक वातावरण

(घ) 'एक पत्नी के नोट्स' की नायिका।

# [4202]-214

## (ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें :**

(*i*) अंधेर नगरी—भारतेंदु हरिश्चंद्र।

(*ii*) कोणार्क—जगदीशचंद्र माथुर।

(*iii*) एक सत्य हरिश्चंद्र—डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल।

**सूचनाएँ :**

(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

**2.** भारतेंदु युगीन हिंदी नाटक साहित्य का परिचय देते हुए उसकी प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

**3.** एकांकी की परिभाषा देते हुए उसके तत्त्वों का परिचय दीजिए।

**4.** अनूदित नाटकों की परंपरा का सामान्य परिचय दीजिए।

**5.** नाट्य तत्वों के आधार पर 'अंधेर नगरी' का विवेचन कीजिए।

**6.** रंगमंचीयता की दृष्टि से 'कोणार्क' का विवेचन कीजिए।

**7.** 'एक सत्य हरिश्चंद्र' नाटक के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पारसी रंगमंच

(ख) नाटक की सामूहिकता

(ग) 'अंधेर नगरी' का व्यंग्य

(घ) 'कोणार्क' की ऐतिहासिकता।

# [4202]-214

## (ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :**

(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** हिंदी भाषा के विविध रूपों को बताते हुए सामान्य भाषा और माध्यम भाषा का परिचय दीजिए।

**2.** प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विभिन्न प्रयुक्तियों को सोदाहरण बताइए।

**3.** सरकारी पत्राचार का स्वरूप बताते हुए ज्ञापन का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।

**4.** कार्यालयीन लेखन की विशेषताएँ लिखते हुए संक्षेपण और पल्लवन का परिचय दीजिए।

**5.** जनसंचार का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसका महत्व विशद कीजिए।

**6.** श्रव्य माध्यम लेखन की विशेषताएँ लिखते हुए फीचर लेखन का परिचय दीजिए।

**7.** कम्प्युटर का परिचय देते हुए हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) राजभाषा

(ख) विज्ञापन

(ग) इंटरनेट

(घ) शिकायत पत्र।

# [4202]-214

## (घ) हिंदी दलित विमर्श एवं साहित्य

**समय : 3 घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें :**

(*i*) दोहरा अभिशाप—कौसल्या बैसंगी

(*ii*) पहला खत—डॉ. धर्मवीर

(*iii*) आवाजें—मोहनदास नैमिषराय

(*iv*) घुसपैठिए—ओमप्रकाश वाल्मीकि

(*v*) असीम है आसमाँ—डॉ. नरेंद्र जाधव।

**सूचनाएँ :**

(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** दलित संकल्पना स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य का स्वरूप विशद कीजिए।

**2.** दलित साहित्य का उद्‌भव स्पष्ट करते हुए उसकी परंपरा का परिचय दीजिए।

**3.** दलित साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

**4.** दलित साहित्य के प्रमुख प्रेरणा स्रोतों की जानकारी दीजिए।

**5.** ''दोहरा अभिशाप' नारी पीड़ा का दस्तावेज है।'' स्पष्ट कीजिए।

**6.** कथ्य की दृष्टि से 'आवाजें' का विवेचन कीजिए।

**7.** कलात्मकता की दृष्टि से 'घुसपैठिए' का मूल्यांकन कीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दलित साहित्य पर संत रैदास का प्रभाव।

(ख) परंपरागत साहित्य और दलित साहित्य में भेद।

(ग) 'पहला खत' का उद्देश्य।

(घ) 'असीम है आसमाँ' में चित्रित समस्याएँ।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-311

## M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र 9

### आधुनिक काव्य

### (महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्य नाटक)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्यपुस्तकें :—** (*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद ।

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. नीला बोर्वणकर ।

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती ।

**सूचना :—** (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भाव-पक्ष एवं कला-पक्ष की दृष्टि से 'कामायनी' की समीक्षा कीजिए ।

**अथवा**

'कामायनी' के आधार पर श्रद्धा की चरित्रगत विशेषताओं का परिचय दीजिए ।

2. मुक्तिबोध के काव्य की विशेषताएँ स्पष्ट करते हुए 'ब्रह्मराक्षस' के कथ्य पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

"'सरोज स्मृति' में एक असमर्थ पिता की क्षुब्धता व्यक्त हुई है ।" स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

3. 'अंधा युग' के पात्रों की प्रतीकात्मकता और उनकी प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

'अंधा युग' की शिल्पगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' में 'काम' का स्वरूप

(ख) 'कामायनी' की ऐतिहासिकता

(ग) 'असाध्य वीणा' का प्रियंवद

(घ) 'पटकथा' में व्यंग्य

(च) 'अंधा युग' का शीर्षक

(छ) 'अंधा युग' के संवादों की काव्यात्मकता ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) दूर-दूर तक विस्तृत था, हिम स्तब्ध उसी के हृदय-समान
नीरवता-सी शिल-चरण से टकराता फिरता पवमान ।
तरुण तपस्वी-सा वह बैठा साधन करता सुर-श्मशान
नीचे प्रलय सिंधु लहरों का होता था सकरुण अवसान ।

**अथवा**

चेतन का साक्षी मानव हो निर्विकार हँसता-सा
मानस के मधुर मिलन में गहरे-गहरे धँसता-सा ।
सब भेद-भाव भुलवाकर दुख-सुख को दृश्य बनाता,
मानव कह रे ! 'यह मैं हूँ', यह विश्व नीड़ बन जाता ।

(झ) मुझे स्मरण है

उझक क्षितिज से

किरण भोर की पहली

जब तकती है ओस बूँद को –

उस क्षण की सहसा चौकी-सी सिहरन ।

और दुपहरी में जब

घास-फूल अनदेखे खिल जाते हैं

मोमखियाँ असंख्य झूमती करती हैं गुंजार

उस लंबे बिल में ? क्षण का तंद्रालस ठहराव ।

**अथवा**

हर तरफ धुआँ है

हर तरफ कुहासा है

जो दाँतों और दलदलों का दलाल है

वही देशभक्त है

अन्धकार में सुरक्षित होने का नाम है –

तटस्थता ! यहाँ

कायरता के चेहरे पर

सबसे ज्यादा रक्त है ।

जिसके पास थाली है

हर भूखा आदमी

उसके लिए, सबसे भद्दी

गाली है

(ट) "मेरा स्नेह, मेरी घृणा, मेरी नीति, मेरा धर्म
बिलकुल मेरा ही वैय्यक्तिक था ।
उसमें नैतिकता का कोई बाह्य मापदंड था ही नहीं ।
कौरव जो मेरी मांसलता से उपजे थे
वे ही थे अंतिम सत्य
मेरी ममता ही वहाँ नीति थी,
मर्यादा थी ।

**अथवा**

पर एक तत्व है बीजरूप स्थित मन में
साहस में, स्वतंत्रता में, नूतन सर्जन में
वह है, निरपेक्ष उतरता है पर जीवन में,
उतना जो अंश हमारे मन का है –
वह अर्धसत्य से, ब्रह्मास्त्रों के भय से –
मानव-भविष्य को हरदम रहे बचाता
अन्धे संशय, दासता, पराजय से !

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-312

## M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

### HINDI (हिंदी)

### प्रश्न-पत्र 10 : विशेषस्तर

### भाषाविज्ञान

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :—**(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** भाषा की किन्हीं **दो** परिभाषाओं को स्पष्ट कर भाषा के अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए।

**2.** भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ स्पष्ट कीजिए।

**3.** स्थान के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

**4.** स्वनिम का स्वरूप स्पष्ट कर स्वनिम के भेद लिखिए।

**5.** वाक्य का स्वरूप स्पष्ट कर वाक्य के प्रभेदों पर प्रकाश डालिए।

**6.** अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

**7.** सम्बन्ध तत्व की आवश्यकता स्पष्ट कर सम्बन्ध तत्व के भेद लिखिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भाषाविज्ञान और साहित्य

(ख) अर्थ-बोध के साधन

(ग) वाक्य की आवश्यकताएँ

(घ) भाषा-भूगोल।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-313

## M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

### HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र—11 : विशेषस्तर

### हिंदी साहित्य का इतिहास

### (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचना :—** (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** आदिकालीन सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का परिचय दीजिए।

**अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) गोरखनाथ

(ख) अमीर खुसरो

(ग) आदिकाल का नामकरण।

**2.** ज्ञानमार्गी काव्यधारा का परिचय देते हुए उसमें कबीर के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

**अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(घ) तुलसीदास

(च) नीति काव्यधारा और रहीम

(छ) भक्तिकालीन राजनीतिक पृष्ठभूमि।

**3.** रीतिकाल की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

**अथवा**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(ज) घनानंद

(झ) भूषण

(ट) रीतिसिद्ध काव्य।

**4.** निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा पर प्रकाश डालिए।

(*ii*) कृष्णभक्ति काव्यधारा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

**5.** (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(*i*) रामचंद्र शुक्ल ने आदिकाल को कौनसा नाम दिया है ? क्यों ?

(*ii*) चंदबरदाई के काव्य की किन्हीं **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) रामभक्ति काव्य-धारा की प्रमुख **दो** प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

(*iv*) नंददास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*v*) जायसी की रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

(*vi*) बिहारी की भाषा की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(*vii*) रीतिकाल के विविध नामों का उल्लेख कीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए :

(*i*) विद्यापति की पदावली में कौन-सा रस प्रमुख है ?

(*ii*) 'मिश्रबंधु विनोद' के लेखक कौन हैं ?

(*iii*) रसखान किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(*iv*) 'सूरसागर' के रचयिता का नाम लिखिए।

(*v*) रीतिकालीन काव्य में कौनसा रस प्रमुख है ?

(*vi*) रीतिमुक्त काव्यधारा के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4+2**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-314

## M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र—12 : विशेषस्तर—वैकल्पिक

### (2008 PATTERN)

**महत्वपूर्ण सूचना :** निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

### (अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचना :—** (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** हिंदी आलोचना के उद्‌भव एवं विकास का संक्षेप में परिचय दीजिए।

**2.** आलोचना की विभिन्न प्रक्रियाओं का विवेचन कीजिए।

**3.** तुलनात्मक एवं निर्णयात्मक आलोचना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

**4.** डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्‌धति की विशेषताओं का परिचय दीजिए।

P.T.O.

**5.** आ. रामचंद्र शुक्ल और आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी की समीक्षा-पद्धति की तुलना कीजिए।

**6.** 'डॉ. रामविलास शर्मा की समीक्षा हिंदी साहित्य की जनवादी चेतना को प्रस्तुत करती है।' स्पष्ट कीजिए।

**7.** डॉ. नगेंद्र की समीक्षा-पद्धति की विशेषताएँ लिखिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) आलोचना का स्वरूप

(ख) आलोचना और अनुसंधान

(ग) प्रभाववादी आलोचना

(घ) जनवादी आलोचक नामवर सिंह।

# [4202]-314

## (आ) अनुवाद विज्ञान

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचना :—** (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसकी व्याप्ति एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

**2.** अनुवाद कार्य में सहायक साधनों का महत्व विशद कीजिए।

**3.** अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए वर्तमान काल में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

**4.** विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

**5.** अनुवाद का वाक्य-विज्ञान और अर्थ-विज्ञान के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

**6.** सामाजिक एवं सांस्कृतिक सामग्री का अनुवाद करते समय सावधानी क्यों और कैसे बरतनी चाहिए ? सोदाहरण समझाइए।

**7.** 'अनुवाद समीक्षा की आवश्यकता स्पष्ट करते हुए उसके निकषों पर प्रकाश डालिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद कला या विज्ञान

(ख) कोशविज्ञान

(ग) शब्दानुवाद

(घ) अनुवाद और रूपविज्ञान।

# [4202]-314

## (इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचना :—** (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** जनसंचार माध्यमों का स्वरूप स्पष्ट कर उसके उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

**2.** सूचना समाज की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

**3.** हिंदी के विकास में जनसंचार माध्यमों का योगदान स्पष्ट कीजिए।

**4.** रेडियो पत्रकारिता और दूरदर्शन पत्रकारिता का महत्व स्पष्ट कर दोनों का अंतर स्पष्ट कीजिए।

**5.** भारतीय संचार तकनीकी के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

**6.** जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूपों का विवेचन कीजिए।

**7.** जनसंपर्क माध्यम और अनुवाद का संबंध विशद करते हुए हिंदी पर अंग्रेजी के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मल्टी मीडिया

(ख) वाचिक भाषा

(ग) कृषि-केंद्रित कार्यक्रम और हिंदी

(घ) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और हिंदी भाषा का मानकीकरण।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-411

## M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र 13 : सामान्यस्तर

### आधुनिक काव्य

### (खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**पाठ्य-पुस्तकें** : (*i*) कितने प्रश्न करूँ : ममता कालिया

(*ii*) युगधारा : नागार्जुन

(*iii*) काव्य-कुंज : संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र'

**सूचना :—** (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "'कितने प्रश्न करूँ' में सीता का प्रतिशोध मुखर हुआ है ।" सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

**अथवा**

'कितने प्रश्न करूँ' के शिल्प-विधान पर प्रकाश डालिए ।

2. "नागार्जुन की कविताएँ दिल पर चोट करनेवाली हैं, कर्तव्य की याद दिलानेवाली हैं, राह दिखानेवाली भी हैं ।" पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

नागार्जुन की काव्यभाषा पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

3. नई कविता की भाव एवं शिल्पगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

"भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं में उनके आस-पास के अत्यंत साधारण परिवेश का आत्मीय चित्रण मिलता है ।" विवेचन कीजिए ।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' के वाल्मीकि ।

**अथवा**

'कितने प्रश्न करूँ' का शीर्षक ।

(2) 'पाषाणी' में व्यक्त नारी-व्यथा ।

**अथवा**

'बादल को घिरते देखा है' का प्रकृति सौंदर्य ।

(3) 'पंद्रह अगस्त' में कवि का संदेश ।

**अथवा**

'सन्नाटा' में व्यक्त प्रेम भावना ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) मेरी यह आकांक्षा थी
सुत मेरा बने मनस्वी;
इसलिए तपोवन जाने
की मैंने इच्छा की थी ।
पर मैंने तो चाहा था
बस एक रात्रि का आश्रय;
तुमने मुझको दे डाला
असहाय, अनंत, निराश्रय !

**अथवा**

अब मेरी सहन शक्ति का
अंतिम क्षण आ पहुँचा था;
निर्वासित पहले ही थी
अब ग्लानि-भाव भी ऊँचा ।
उस भरी सभा में फिर से
क्या होती पुनः परीक्षित ?
क्या करती रानी बनकर
जब रही युगों तक पीड़ित ?

(ख) कोई एक होता
कि जिसको
अपना मैं समझती
भले वह पीटता, भले ही मारता
किंतु, किसी क्षण में प्यार भी करता
जीवन-रस उड़ेलता मेरे रिक्त पात्र में;
भूख मातृत्व की मेरी मिटा देता;
स्त्रीत्व का सुफल पाकर अनायास
धन्य मैं होती !

**अथवा**

जय जय जयति मलरिया मइया !
जय जय हे काला बुखार, पेचिश, संग्रहणी !
जय जय हे यमदूत, दीनजन बंधु दयासागर करुणामय !
तुम सुनते हो जब न कहीं कोई सुनता है !!

(ग) हम सब इन्हीं के लिए

युग-युग से जीते हैं

क्रीतदास हैं हम

इतिहास-वसन सीते हैं

इतिहास उनका है

हम सब तो स्याही हैं

विजय सभी उनकी

हम घायल सिपाही हैं ।

**अथवा**

शरद का बादल कि जैसे उड़ चले रसहीन कोई

किसी को आशा नहीं, जिससे कि हो यशहीन कोई

नील नभ में सिर्फ उड़कर, बिखर जाना भाग जिसका

अस्त होने के क्षणों में है कि हाय सुहाग जिसका

बिना पानी, बिना बाणी

है बिरस जिसकी कहानी,

सूर्य्यकर से किंतु किस्मत फूटने का सुख ?

टूटने का सुख ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-412

## M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### विशेष स्तर : प्रश्नपत्र-14

### (हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :—**(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

**1.** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का उल्लेख करते हुए लौकिक संस्कृत की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

**2.** हार्नले तथा ग्रियर्सन द्वारा किया गया आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए ।

**3.** पूर्वी वर्ग की बोलियों का सामान्य परिचय देते हुए अवधी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

**4.** हिंदी के शब्द-भंडार का विस्तार से परिचय दीजिए ।

**5.** हिंदी की कारक-व्यवस्था का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

P.T.O.

**6.** हिंदी के शब्द-निर्माण की प्रक्रिया में उपसर्ग, प्रत्यय और अव्ययों के प्रदेय पर प्रकाश डालिए ।

**7.** हिंदी के विविध रूपों का उल्लेख करते हुए राजभाषा और राष्ट्रभाषा का परिचय दीजिए ।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

(ख) संपर्क भाषा

(ग) प्राकृत भाषाएँ

(घ) मशीनी अनुवाद ।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**3**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-413

## M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

### HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र 15 : विशेषस्तर

### (हिंदी साहित्य का इतिहास)

### (आधुनिक काल)

### (2008 PATTERN)

**समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 80**

**सूचना :—** (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

**1.** हिंदी गद्य के आविर्भाव की परिस्थितियों को विशद कीजिए।

**2.** हिंदी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

**3.** हिंदी आलोचना के उद्‌भव और विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

**4.** भारतेंदुयुगीन काव्य की विशेषताओं को विशद कीजिए।

P.T.O.

**5.** छायावादी काव्य के उद्‌भव को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

**6.** निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) द्विवेदी युग में भाषा सुधार

(2) आँचलिकता और फणीश्वरनाथ रेणु

(3) प्रेमचंदोत्तर युगीन हिंदी कहानी

(4) प्रयोगवाद के उद्‌भव के कारण

(5) नई कविता की विशेषताएँ

(6) नागार्जुन।

**7.** (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(1) भारतेंदु पूर्व गद्य साहित्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(2) सचेतन कहानी की प्रमुख **दो** प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

(3) जयशंकर प्रसाद के नाटकों की विशेषताएँ लिखिए।

(4) राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी का संक्षेप में परिचय दीजिए।

(5) नई कविता में अज्ञेय के काव्य का महत्व बताइए।

(6) अकविता की विशेषताएँ लिखिए।

(आ) निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(1) 'संस्कृति के चार अध्याय' किसकी रचना है ?

(2) 'नकेन' किसका संक्षिप्त रूप है ?

(3) महावीरप्रसाद द्विवेदी द्वारा संपादित साहित्यिक पत्रिका कौनसी है ?

(4) 'रक्षाबंधन' के लेखक का नाम लिखिए।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

| **Seat No.** | |
|---|---|

# [4202]-414

## M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2012

## HINDI (हिंदी)

### प्रश्नपत्र 16 : विशेषस्तर (वैकल्पिक)

### (2008 PATTERN)

**महत्वपूर्ण सूचना :** निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए :

**(क) भारतीय साहित्य**

**(ख) लोक साहित्य**

**(ग) हिंदी पत्रकारिता**

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :—**(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** भारतीय साहित्य में व्यक्त भारत के प्रतिबिंब का स्वरूप निरूपित कीजिए।

**2.** 'भारतीय साहित्य की एकता के बावजूद उसकी प्रादेशिकता सुरक्षित है।' स्पष्ट कीजिए।

**3.** पठित किसी **एक** रचना का भारतीय साहित्य की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए।

**4.** 'भारतीय साहित्य में विविध भाषाओं के साहित्य में राष्ट्रीय बोध उभरा है।' विवेचन कीजिए।

**5.** '' 'अधूरे मनुष्य' भारतीय जीवन-मूल्यों को अभिव्यक्त करता है।'' स्पष्ट कीजिए।

**6.** '' '1084 वें की माँ' विद्रोह की सनातन कथा है।'' स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

**7.** 'हयवदन' की मंचीयता पर प्रकाश डालिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीय मूल्य और हिंदी-भक्ति साहित्य

(ख) भारतीय साहित्य की विशेषताएँ

(ग) भारतीय साहित्य और आध्यात्मिक चेतना

(घ) '1084वें की माँ' का उद्देश्य।

# [4202]-414

## (ख) लोक साहित्य

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :—**(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** लोक साहित्य के कलात्मक सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

**2.** लोक साहित्य का सामाजिक तथा राष्ट्रीय महत्व विशद कीजिए।

**3.** लोक साहित्य का समाज विज्ञान और मनोविज्ञान के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

**4.** लोकगीतों का वर्गीकरण प्रस्तुत करते हुए 'सोहर' तथा 'मुंडन' का परिचय दीजिए।

**5.** लोकगाथा के प्रमुख लक्षणों को स्पष्ट करते हुए किसी **एक** प्रसिद्ध लोकगाथा का परिचय दीजिए।

**6.** लोक कथा और शिष्ट कहानी का अंतर समझाते हुए लोक कथा की भारतीय परंपरा का विवेचन कीजिए।

**7.** भारतीय लोकनाट्य परंपरा का परिचय देते हुए किन्हीं **दो** प्रकारों को विशद कीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लोक साहित्य की भाषा

(ख) लोक साहित्य में रसात्मकता

(ग) लोक संगीत में लोकवाद्यों की आवश्यकता

(घ) मंत्र तथा टोना।

# [4202]-414

## (ग) हिंदी पत्रकारिता

**समय : तीन घंटे** **पूर्णांक : 80**

**सूचनाएँ :—**(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

**1.** पत्रकारिता के संदर्भ में साक्षात्कार का स्वरूप तथा उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

**2.** संवाददाता की अर्हता तथा कार्यपद्धति पर प्रकाश डालिए।

**3.** रेडियो पत्रकारिता का स्वरूप और महत्व विशद कीजिए।

**4.** प्रिंट पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

**5.** फीचर और संपादकीय लेखन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

**6.** रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए दोनों में साम्य और वैषम्य को निरूपित कीजिए।

**7.** भाषा मानकीकरण के संदर्भ में भाषा-स्थिरता और भाष्य-विस्तार की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

**8.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
(क) भारतीय संविधान-मौलिक अधिकार
(ख) लोक संपर्क तथा विज्ञापन
(ग) इंटरनेट पत्रकारिता
(घ) खोजी समाचार।